Yogoda Satsanga Mahavidyalaya
B. Com Semester – VI (C-13) CBCS
Subject: Auditing & Corporate Governance
Topic: लेखापरीक्षा का वर्गीकरण
Ravindra Kumar, Associate Professor Department of Commerce

लेखापरीक्षा का वर्गीकरण

ऑडिट को विभिन्न मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है, जिसमें ऑडिट का उद्देश्य, ऑडिट का दायरा और ऑडिट को नियंत्रित करने वाला नियामक ढांचा शामिल है। प्राथमिक वर्गीकरण हैं:

1. स्कोप के आधार पर

- सांविधिक लेखा - परीक्षा
- आंतरिक लेखा परीक्षा
- बाह्य अंकेक्षण
- टैक्स ऑडिट
- प्रबंधन लेखापरीक्षा
- परिचालन लेखापरीक्षा
- अनुरूपता का परीक्षण
- सूचना प्रणाली (आईएस) ऑडिट

2. समय के आधार पर

- ऑडिट - पूर्व
- समवर्ती लेखापरीक्षा
- पोस्ट-ऑडिट

3. कार्यप्रणाली पर आधारित

- पूर्ण लेखापरीक्षा
- आंशिक लेखापरीक्षा
- सतत लेखापरीक्षा

4. उद्देश्य के आधार पर

- वित्तीय लेखा परीक्षा

- परिचालन लेखापरीक्षा
- अनुरूपता का परीक्षण
- फोरेंसिक ऑडिट

1. स्कोप के आधार पर

सांविधिक लेखा - परीक्षा

- परिभाषा: कानून द्वारा आवश्यक ऑडिट। वित्तीय विवरणों की सटीकता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न क़ानूनों और विनियमों द्वारा वैधानिक ऑडिट अनिवार्य हैं।
- उदाहरण: कंपनी अधिनियम, बैंकिंग विनियमन अधिनियम, या बीमा अधिनियम के तहत आयोजित ऑडिट।

आंतरिक लेखा परीक्षा

- परिभाषा: किसी संगठन के भीतर आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग द्वारा संचालित। यह जोखिम प्रबंधन, नियंत्रण और शासन प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता का आकलन और सुधार करने पर केंद्रित है।
- दायरा: इसमें वित्तीय ऑडिट, अनुपालन ऑडिट और परिचालन ऑडिट शामिल हो सकते हैं।

बाह्य अंकेक्षण

- परिभाषा: स्वतंत्र लेखा परीक्षकों द्वारा किया जाता है जो संगठन से संबद्ध नहीं हैं। इसका उद्देश्य वित्तीय विवरणों पर एक वस्तुनिष्ठ राय प्रदान करना है।
- दायरा: मुख्य रूप से वित्तीय विवरणों की सटीकता और निष्पक्षता पर ध्यान केंद्रित करता है।

टैक्स ऑडिट

- परिभाषा: यह सुनिश्चित करने के लिए आयोजित किया जाता है कि कर रिटर्न और कर-संबंधित रिकॉर्ड सटीक हैं और कर कानूनों और विनियमों का अनुपालन करते हैं।
- दायरा: आय, कटौतियों और कर देनदारियों का सत्यापन शामिल है।

प्रबंधन लेखापरीक्षा

- परिभाषा: प्रबंधन प्रथाओं और निर्णयों की प्रभावशीलता और दक्षता का मूल्यांकन करती है।
- दायरा: संगठनात्मक संरचना, निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और संसाधन उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।

परिचालन लेखापरीक्षा

- परिभाषा: किसी संगठन के भीतर संचालन की दक्षता और प्रभावशीलता का आकलन करता है।
- दायरा: प्रक्रियाओं, प्रक्रियाओं और परिचालन प्रदर्शन की जांच करता है।

अनुरूपता का परीक्षण

- परिभाषा: यह सुनिश्चित करता है कि संगठन कानूनों, विनियमों, नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन करता है।
- दायरा: इसमें आंतरिक नीतियां और बाहरी नियम दोनों शामिल हैं।

सूचना प्रणाली (आईएस) लेखापरीक्षा

- परिभाषा: सूचना प्रणालियों के नियंत्रण, विश्वसनीयता और सुरक्षा का मूल्यांकन करता है।
- दायरा: इसमें सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन, डेटा अखंडता और आईटी बुनियादी ढांचा शामिल है।

2. समय के आधार पर

ऑडिट - पूर्व

- परिभाषा: नीतियों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए लेनदेन को अंतिम रूप देने से पहले आयोजित किया जाता है।
- दायरा: प्रकृति में निवारक, अनुमोदन प्रक्रियाओं और दस्तावेज़ीकरण पर ध्यान केंद्रित करना।

समवर्ती लेखापरीक्षा

- परिभाषा: चल रहे वित्तीय लेनदेन और संचालन के साथ-साथ किया जाता है।
- दायरा: वास्तविक समय पर प्रतिक्रिया प्रदान करता है और त्रुटियों का तत्काल सुधार सुनिश्चित करता है।

बाद लेखा परीक्षा

- परिभाषा: लेनदेन पूरा होने के बाद आयोजित किया जाता है।
- दायरा: प्रकृति में मूल्यांकनात्मक, पूर्ण लेनदेन और प्रक्रियाओं की समीक्षा और सत्यापन पर ध्यान केंद्रित करना।

3. कार्यप्रणाली पर आधारित

पूर्ण लेखापरीक्षा

- परिभाषा: एक व्यापक ऑडिट जो किसी संगठन के वित्तीय विवरणों और संचालन के सभी पहलुओं की जांच करता है।
- दायरा: इसमें सभी रिकॉर्ड और लेनदेन का विस्तृत सत्यापन शामिल है।

आंशिक लेखापरीक्षा

- परिभाषा: किसी संगठन के वित्तीय विवरण या संचालन के विशिष्ट क्षेत्रों या पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है।
- दायरा: चयनित अनुभागों या कार्यों तक सीमित।

सतत लेखापरीक्षा

- परिभाषा: पूरे वित्तीय वर्ष में चल रही ऑडिट गतिविधियाँ शामिल हैं।

- दायरा: अभिलेखों और प्रक्रियाओं की नियमित और व्यवस्थित जांच।

4. उद्देश्य के आधार पर

वित्तीय लेखा परीक्षा

- परिभाषा: वित्तीय विवरणों की सटीकता और निष्पक्षता की पुष्टि करता है।

- दायरा: यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय विवरण लागू लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किए गए हैं।

परिचालन लेखापरीक्षा

- परिभाषा: व्यवसाय संचालन की दक्षता और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करती है।

- दायरा: प्रदर्शन सुधार और परिचालन दक्षता पर ध्यान केंद्रित करता है।

अनुरूपता का परीक्षण

- परिभाषा: नियामक आवश्यकताओं और आंतरिक नीतियों के पालन का आकलन करता है।

- दायरा: कानूनों, विनियमों और आंतरिक दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

फोरेंसिक ऑडिट

- परिभाषा: धोखाधड़ी, गबन या वित्तीय कदाचार की जांच और पता लगाने के लिए आयोजित किया जाता है।

- दायरा: अनियमितताओं को उजागर करने के लिए रिकॉर्ड और लेनदेन की विस्तृत जांच शामिल है।

निष्कर्ष

ऑडिट का वर्गीकरण उनके दायरे, समय, कार्यप्रणाली और उद्देश्य के आधार पर विभिन्न प्रकार के ऑडिट को समझने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। प्रत्येक प्रकार का ऑडिट एक विशिष्ट कार्य करता है और किसी संगठन के समग्र प्रशासन, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन ढांचे में योगदान देता है। विभिन्न प्रकार के ऑडिट को नियोजित करके, संगठन सटीकता, दक्षता और नियमों का पालन सुनिश्चित कर सकते हैं, जिससे उनकी परिचालन अखंडता और वित्तीय विश्वसनीयता बढ़ सकती है।

रविन्द्र कुमार
सह - प्राध्यापक
वाणिज्य कर विभाग
योगोदा सत्संग महाविद्यालय